हिन्दुस्तान
वाराणसी, गुरुवार, 19 मार्च 2026

एनईपी का उद्देश्य जड़ों और मूल्यों से जुड़ाव : डीपी सिंह

एसएमएस में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन विषय पर व्याख्यान में मौजूद लोग।

वाराणसी। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उसके क्रियान्वयन विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष और टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ़ सोशल साइंसेज मुंबई के कुलाधिपति प्रो. डीपी सिंह रहे। कहा कि एनईपी का मूल उद्देश्य छात्रों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाते हुए उन्हें भारतीय संस्कृति और मूल्यों से जोड़ना है। एसएमएस के निदेशक प्रो. पीएन झा ने स्वागत भाषण किया। संचालन प्रो. पल्लवी पाठक, धन्यवाद ज्ञापन प्रो. संदीप सिंह ने किया। अधिशासी सचिव डॉ. एमपी सिंह, कुलसचिव संजय गुप्ता रहे।

अमर उजाला
amarujala.com
वाराणसी | बृहस्पतिवार, 19 मार्च 2026

नई शिक्षा नीति ज्ञान के लिए उपयोगी: प्रो. डीपी सिंह

वाराणसी (वि)। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज में बुधवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं उसके क्रियान्वयन विषय पर एक विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन हुआ। इसमें मुख्य अतिथि टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ़ सोशल साइंसेज के कुलपति और यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा इसका मूल उद्देश्य छात्रों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाते हुए उन्हें भारतीय संस्कृति और मूल्यों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ज्ञान, उन्होंने एकेडमिक बैंक ऑफ़ क्रेडिट्स, मल्टीप्ल एंट्री व एग्जिट सिस्टम तथा आउटकम बेस्ड एजुकेशन जैसे प्रावधानों को छात्रों के लिए उपयोगी बताया। शुरुआत प्रो. पीएन झा, निदेशक एसएमएस ने संस्थान में शैक्षिक उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की। संचालन प्रो. पल्लवी पाठक ने व धन्यवाद ज्ञापन प्रो. संदीप सिंह ने किया। इस मौके पर अधिशासी सचिव डॉ. एमपी सिंह, कुलसचिव संजय गुप्ता सहित संस्थान के सभी संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

आज
गुरुवार १९ मार्च, २०२६

वैश्विक दृष्टि के साथ भारतीय जड़ों से जुड़ाव है राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य- प्रो. डी. पी. सिंह

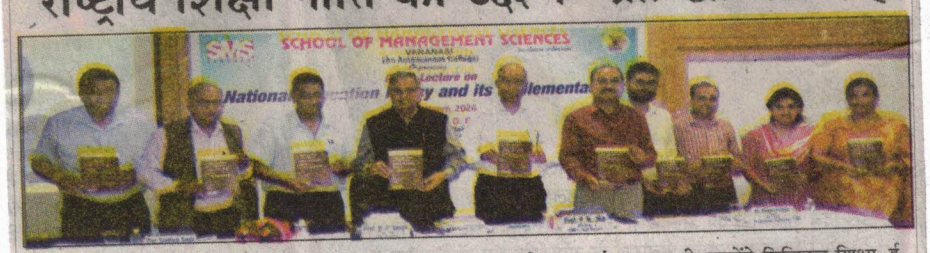

वाराणसी। स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट साइंसेज वाराणसी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं उसके क्रियान्वयन विषय पर एक विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. डी. पी. सिंह, पूर्व अध्यक्ष, यूजीसी एवं कुलाधिपति, टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ़ सोशल साइंसेज, मुंबई उपस्थित रहे। अपने व्याख्यान में प्रो. सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न आयामों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि इसका मूल उद्देश्य छात्रों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाते हुए उन्हें भारतीय संस्कृति और मूल्यों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ज्ञान, कौशल और नैतिकता के समन्वय पर आधारित है। उन्होंने एनईपी के अंतर्गत बहुविषयक शिक्षा, लचीला पाठ्यक्रम, स्किल डेवलपमेंट, तथा अनुसंधान एवं नवाचार को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। साथ ही उन्होंने अकैडमिक बैंक ऑफ़ क्रेडिट्स, मल्टीप्ल एन्ट्री व् एग्जिट सिस्टम तथा आउटकम बेस्ड एजुकेशन जैसे प्रावधानों को छात्रों के लिए उपयोगी बताया। प्रो. सिंह ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति देश को 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित भारत@2047' के लक्ष्य की ओर अग्रसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने एनईपी के पाँच प्रमुख स्तंभों- सुलभता,पहुंच, समानता, गुणवत्ता और जवाबदेही को शिक्षा प्रणाली की मजबूती का आधार बताया। उन्होंने शिक्षकों की भूमिका पर भी जोर देते हुए कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और प्रेरक होते हैं, जो विद्यार्थियों को नवाचार और शोध की दिशा में प्रेरित करते हैं। साथ ही, उन्होंने डिजिटल शिक्षा, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म्स और तकनीकी एकीकरण को वर्तमान समय की आवश्यकता बताया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. पी. एन. झा, निदेशक, एसएमएस वाराणसी द्वारा स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने अतिथि का स्वागत करते हुए संस्थान में शैक्षिक उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रो. पल्लवी पाठक द्वारा किया गया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रो. संदीप सिंह द्वारा दिया गया । इस अवसर पर अधिशासी सचिव डॉ. एम.पी. सिंह, कुलसचिव श्री संजय गुप्ता सहित संस्थान के सभी संकाय सदस्य उपस्थित रहे। व्याख्यान सत्र अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक रहा, जिसमें संकाय सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए विभिन्न प्रश्न भी पूछे।

ज्ञानशिखा टाइम्स

19.03.2026

वैश्विक दृष्टि के साथ भारतीय जड़ों से जुड़ाव है राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य- प्रो. डी. पी. सिंह

वाराणसी । स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट साइंसेज वाराणसी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एवं उसके क्रियान्वयन विषय पर एक विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. डी. पी. सिंह, पूर्व अध्यक्ष, यूजीसी एवं कुलाधिपति, टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ़ सोशल साइंसेज, मुंबई उपस्थित रहे। अप्ने व्याख्यान में प्रो. सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न आयामों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि इसका मूल उद्देश्य छात्रों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाते हुए उन्हें भारतीय संस्कृति और मूल्यों से जोड़ना है।

उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ज्ञान, कौशल और नैतिकता के समन्वय पर आधारित है। उन्होंने हश्क्ष के अंतर्गत बहुविषयक शिक्षा लचीला पाठ्यक्रम स्किल डेवलपमेंट, तथा अनुसंधान एवं नवाचार को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। साथ ही उन्होंने अकैडमिक बैंक ऑफ़ क्रेडिट्स, मल्टीप्ल एन्ट्री व् एग्जिट सिस्टम तथा आउटकम बेस्ड एजुकेशन जैसे प्रावधानों को छात्रों के लिए उपयोगी बताया। प्रौ. सिंह ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति देश को 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित भारतक्ष2047' के लक्ष्य की ओर अग्रसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने हश्क्ष के पाँच प्रमुख स्तंभों- सुलभता,पहुंच, समानता, गुणवत्ता और जवाबदेही को शिक्षा प्रणाली की मजबूती का आधार बताया। उन्होंने शिक्षकों की भूमिका पर भी जोर देते हुए कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और प्रेरक होते हैं, जो विद्यार्थियों को नवाचार और शोध की दिशा में प्रेरित करते हैं। साथ ही, उन्होंने डिजिटल शिक्षा, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म्स और तकनीकी एकीकरण को वर्तमान समय की आवश्यकता बताया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. पी. एन. झा, निदेशक, एसएमएस वाराणसी द्वारा स्वागत भाषण से हुई।

पायनियर

19.03.2026

वैश्विक दृष्टि के साथ भारतीय जड़ों से जुड़ाव राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्यः प्रो. डी.पी सिंह

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट साइंसेज वाराणसी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP-2020) एवं उसके क्रियान्वयन विषय पर एक विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. डी. पी. सिंह, पूर्व अध्यक्ष, यूजीसी एवं कुलाधिपति, टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ़ सोशल साइंसेज, मुंबई उपस्थित रहे। अपने व्याख्यान में प्रो. सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न आयामों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि इसका मूल उद्देश्य छात्रों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाते हुए उन्हें भारतीय संस्कृति और मूल्यों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ज्ञान, कौशल और नैतिकता के समन्वय पर आधारित है। उन्होंने NEP के अंतर्गत बहुविषयक शिक्षा, लचीला पाठ्यक्रम, स्किल डेवलपमेंट, तथा अनुसंधान एवं नवाचार को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। साथ ही उन्होंने अकैडमिक बैंक ऑफ़ क्रेडिट्स, मल्टीपल एन्ट्री & एग्जिट सिस्टम तथा आउटकम बेस्ड एजुकेशन जैसे प्रावधानों को छात्रों के लिए उपयोगी बताया। प्रो. सिंह ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति देश को 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित भारत@2047' के लक्ष्य की ओर अग्रसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।